भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 460
बुधवार, 27 नवंबर, 2024 को उत्तर देने के लिए

इसरो द्वारा तिब्बत क्षेत्र में एनालॉग मिशन

460. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री सुधीर गुप्ता:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने देश के तिब्बत क्षेत्र में अपना पहला एनालॉग मिशन शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त मिशन के लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ग) क्या सरकार गगनयान मिशन के अंतर्गत अंतरिक्ष में अपने प्रथम मानव को भेजने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यह एनालॉग मिशन प्रथम भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में किस प्रकार से परिवर्तनकारी साबित होगा;

(ङ) क्या इसरो वर्ष 2035 तक अपना पहला अंतरिक्ष केंद्र स्थापित करने की भी योजना बना रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) इस संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है और इस मिशन पर कुल कितनी धनराशि व्यय होने की संभावना है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) इसरो, एएकेए स्पेस स्टूडियो, लद्दाख विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे के सहयोगात्मक प्रयास और लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद के समर्थन से प्रथम एनालॉग मिशन लेह में आयोजित किया गया था।

(ख) इस मिशन का लक्ष्य और उद्देश्य पृथ्वी से परे एक बेस स्टेशन की चुनौतियों से निपटने के लिए एक अंतरग्रहीय आवास में जीवन का अनुकरण करना है।

(ग) जी, हां। इसरो वर्ष 2026 के अंत तक गगनयान कार्यक्रम के तहत प्रथम मानव अंतरिक्ष उड़ान प्रदर्शन मिशन का लक्ष्य बना रहा है। गगनयान कार्यक्रम में निम्न भू-कक्षा (एलईओ) में मानव अंतरिक्ष उड़ान आयोजित करने और लंबे समय में भारतीय मानव अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों की नींव रखने की परिकल्पना की गई है।

(घ) इस एनालॉग साइड मिशन के उद्देश्य वर्ष 2026 में लक्षित प्रथम मानव अंतरिक्ष उड़ान प्रदर्शन मिशन से जुड़े हुए नहीं हैं।

(ङ) जी, हां। इसरो वर्ष 2035 तक अपना पहला अंतरिक्ष केंद्र (अंतरिक्ष स्टेशन) अर्थात् भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) स्थापित करने की योजना बना रहा है। बीएएस अन्य क्षेत्रों सहित विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष संबंधी विनिर्माण के क्षेत्र में बहु-विषयक सूक्ष्मगुरुत्व परीक्षण और अध्ययन करने वाली प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला होगी। बीएएस वैश्विक और राष्ट्रीय सहयोग, चंद्र अन्वेषण एवं उससे आगे के प्रवेश द्वार और देश की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में सहायता के लिए मंच के रूप में भी कार्य करेगा।

(च) इसरो ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकियों का विकास प्रारंभ कर दिया है। इन प्रौद्योगिकियों को बीएएस के लिए अग्रगामी मिशनों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा, जिन्हें हाल ही में गगनयान कार्यक्रम में संशोधन के हिस्से के रूप में मंजूरी दी गई है। पहले से अनुमोदित कार्यक्रम में ₹11,170 करोड़ के शुद्ध अतिरिक्त निधिकरण के साथ संवर्धित कार्यक्षेत्र सहित गगनयान कार्यक्रम का कुल संशोधित निधिकरण ₹20,193 करोड़ है।

***